भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 818

जिसका उत्तर 04.12.2025 को दिया जाना है

एनएच-183 विकास कार्यों के लिए वित्तीय स्वीकृति में विलंब

818. श्री कोडिकुन्नील सुरेश:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार केरल में राष्ट्रीय राजमार्ग-183 कोल्लम-चेंगनूर खंड के विकास कार्यों के लिए वित्तीय स्वीकृति तकनीकी अनुमोदन के बावजूद विस्तारित अवधि के लिए लंबित है;

(ख) यदि हाँ, तो राष्ट्रीय राजमार्ग-183 के लिए वित्तीय स्वीकृति जारी करने में विलंब के क्या कारण हैं और राज्य सरकार, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) या परियोजना कार्यान्वयन इकाई (पीआईयू) द्वारा कमियां या मांगे गए स्पष्टीकरण का ब्यौरा क्या है;

(ग) जांच, अंतर-विभागीय प्रसंस्करण, भूमि अधिग्रहण प्रगति, विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) अद्यतन और लागत अनुमान का चरण सहित वित्तीय स्वीकृति के प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है;

(घ) क्या सरकार ने वित्तीय स्वीकृति के अंतिम अनुमोदन और जारी करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार का राष्ट्रीय राजमार्ग-183 के शीघ्र निष्पादन के लिए अत्यधिक यातायात भार, सड़क सुरक्षा के मुद्दों और जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए वित्तीय मंजूरी में त्वरित करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ङ) केरल राज्य में कोल्लम से कुमिली (केरल-तमिलनाडु सीमा) तक एनएच-183 की लंबाई लगभग 215 किमी है। एनएच-183 के कोल्लम-चेंगनूर खंड के कोल्लम-अंजिलिमूडू खंड के लिए संरेखण प्रस्ताव को पहले कोल्लम से भारनिकावु तक के खंड के लिए कुल 62.1 किमी की लंबाई हेतु दिनांक 06.09.2022 को और भारनिकावु से अंजिलिमूडू तक के खंड के लिए दिनांक 04.08.2022 को मंजूरी दे दी गई थी। शुरूआत में इस खंड को पेव्ड शोल्डर सहित 2-लेन के कैरिजवे के रूप में विकास की योजना बनाई गई थी, तथापि, वर्तमान यातायात के आधार पर, इसे दिनांक 04.02.2025 को 4-लेन राजमार्ग के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त, अत्यधिक भीड़भाड़ वाले खंडों में आवासीय संरचनाओं के साथ-साथ भूमि की अधिक लागत और इसके प्रभाव को देखते हुए अंजिलिमूडू से कोल्लम के लिए प्रस्तुत विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की जांच की जा रही है।

अंजिलिमूडु से कुमिली (केरल-तमिलनाडु सीमा) तक की शेष लंबाई के लिए, डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है।

******